कानूनी पेशेवरों के बीच डिजिटल संसाधनों और सेवाओं का उपयोग: एक सर्वेक्षण

नंदिनी मांझी*, अश्विनी यादव

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, सैम ग्लोबल विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्यप्रदेश

सारांश:-

वर्तमान अध्ययन इस बात की जांच करता है कि जबलपुर में विभिन्न कानून फर्मों के कानूनी पेशेवर डिजिटल संसाधनों और सेवाओं का उपयोग कैसे करते हैं। कानूनी पुस्तकालय को विशेष पुस्तकालय के रूप में वर्गीकृत किया गया है, उनके संग्रह अपने उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं। जबलपुर उच्च न्यायालय पुस्तकालय के कानूनी पेशेवरों के बीच एक सर्वेक्षण आयोजित किया गया था। वितरित 50 प्रश्नावलियों में से 40 (80%) वैध प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं। प्राप्त परिणामों से संकेत मिलता है, कि कानूनी पेशेवर कानून पुस्तकालयों पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं, वे प्रतिदिन उनका दौरा करते हैं। इसके अतिरिक्त, कानूनी पेशेवरों के पास संदर्भ उद्देश्यों के लिए कानून से संबंधित संसाधनों का अपना संग्रह होता है। अधिकांश पेशेवर ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए इंटरनेट का उपयोग करते हैं, मुख्य रूप से केस कानून का अध्ययन करने और निर्णयों का हवाला देने के लिए। अध्ययन ई-संसाधनों का उपयोग करते समय पेशेवरों के सामने आने वाली चुनौतियों और उनकी संतुष्टि के स्तर की भी जांच करता है। कुछ वरिष्ठ अधिवक्ताओं/प्रतिवादियों को अपने सीमित आईटी ज्ञान और सीमित कंप्यूटर पहुंच के कारण ई-संसाधनों का उपयोग करने या उन तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वे कानूनी डेटाबेस और डिजिटल संसाधनों से भी अनजान हैं। इसके विपरीत, "प्रमुख, युवा और कानूनी शोधकर्ता" पेशेवर मामले के कानूनों को इकट्ठा करने और निर्णय की जानकारी प्राप्त करने के लिए डिजिटल संसाधनों और कानूनी डेटाबेस का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं। अध्ययन का निष्कर्ष है कि लगभग सभी पेशेवर उपलब्ध सुविधाओं, जैसे डिजिटल संसाधनों और विभिन्न कानूनी डेटाबेस से संतुष्ट हैं, क्योंकि इससे समय की बचत होती है। हालाँकि, खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी, समय की कमी और कंपनियों के भीतर ई-संसाधनों की सीमित उपलब्धता कुछ ऐसी कठिनाइयाँ हैं जिनका उन्हें सामना करना पड़ता है।

मुख्य शब्द:- ***डिजिटल लाइब्रेरी, ई-संसाधन, कानून पुस्तकालय, कानूनी पेशेवर.***

परिचय:-

कानून पुस्तकालयों के पास कानूनी सामग्री प्रदान करने के लिए आवश्यक संसाधन हैं, जो कानूनी पेशेवरों और न्यायिक अधिकारियों की सहायता के लिए महत्वपूर्ण हैं। आज की तकनीकी रूप से उन्नत दुनिया में, इन पुस्तकालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह तकनीक न केवल व्यक्तियों के लिए बल्कि व्यवसायों और सरकारी संस्थाओं के लिए भी बढ़ी हुई दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और त्वरित प्रगति जैसे विभिन्न लाभ लेकर आई है। कानून पुस्तकालय और पुस्तकालयाध्यक्ष, कानूनी संसाधनों और विशिष्ट सेवाओं के अपने विशाल संग्रह के साथ, सभी स्तरों पर कानूनी प्रणाली की गुणवत्ता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी अद्वितीय विशेषज्ञता और उनके द्वारा प्रदान किए जाने वाले अमूल्य संसाधन एक मजबूत कानूनी ढांचे के विकास और रखरखाव में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कानूनी सामग्रियों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच प्रदान करके और कानूनी पेशेवरों और न्यायिक अधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान करके, कानून पुस्तकालय यह सुनिश्चित करते हैं कि कानूनी प्रणाली सुचारू और प्रभावी ढंग से संचालित हो। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी के उपयोग ने भारतीय अदालतों और वकीलों के काम करने के तरीके को भी बदल दिया है। वे अब नोटिस और दस्तावेज़ भेजने के लिए ईमेल संचार पर भरोसा करते हैं, जिससे देरी को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है और कानूनी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जा सकता है। डिजिटल संचार की ओर यह बदलाव कानून की सूचना-आधारित प्रकृति पर प्रकाश डालता है, जहां कानूनी प्रणाली के कुशल कामकाज के लिए प्रासंगिक जानकारी तक समय पर पहुंच महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, कानून पुस्तकालयों में प्रौद्योगिकी के एकीकरण ने नई संभावनाओं को खोल दिया है, जिससे अकादमिक शोधकर्ताओं को कानूनी संसाधनों को आसानी से ऑनलाइन एक्सेस करने और प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया है। इस प्रगति ने अनुसंधान प्रक्रिया को बहुत सरल बना दिया है, जिससे विद्वानों को नवीनतम कानूनी विकास के साथ अद्यतन रहने और अपने संबंधित क्षेत्रों में ज्ञान की उन्नति में योगदान करने की अनुमति मिलती है।

अधिवक्ताओं के लिए पुस्तकालय और किताबें सबसे अच्छे दोस्त की तरह हैं। वकील इन संसाधनों का बहुत उपयोग करते हैं, और वे जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी का भी उपयोग करते हैं। इंटरनेट ने जानकारी ढूंढने के उनके तरीके को बदल दिया है। जब वकीलों को जानकारी की आवश्यकता होती है, तो वे इसे खोजते हैं और अपने काम में इसका उपयोग करते हैं। उनके पास विशिष्ट स्थान हैं जहां वे अपनी आवश्यक जानकारी ढूंढने के लिए जाते हैं। इसलिए, पुस्तकालयों और पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि वकीलों को क्या चाहिए और वे जिस जानकारी की तलाश कर रहे हैं उसे ढूंढने में उनकी मदद कैसे करें।

साहित्य की समीक्षा:-

कानूनी अध्ययन के क्षेत्र में संचार, सूचना पुनर्प्राप्ति और निर्देशात्मक वितरण के विभिन्न पहलुओं के लिए आवश्यक उपकरण के रूप में इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की वैश्विक मान्यता को व्यापक रूप से स्वीकार किया

गया है। ये संसाधन दुनिया भर में तृतीयक शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षण, अनुसंधान और सीखने की गतिविधियों का समर्थन करने के लिए अपरिहार्य बन गए हैं। व्याख्याताओं, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों द्वारा ई-संसाधनों के उपयोग पर व्यापक साहित्य मौजूद है, जो इन संसाधनों पर व्यापक रुचि और महत्व को दर्शाता है। इस अध्ययन की सटीकता और व्यापकता सुनिश्चित करने के लिए, प्रासंगिक स्रोतों और अध्ययनों की गहन समीक्षा की गई है। इस शोध का फोकस ई-संसाधन उपयोग की वर्तमान स्थिति और कानूनी अध्ययनों पर इसके प्रभाव का विश्लेषण करना है। इस जांच के हिस्से के रूप में, कई अध्ययनों की जांच की गई है जो वर्तमान सर्वेक्षण से निकटता से संबंधित हैं।

सेलम में सेंट्रल लॉ कॉलेज में, **थानुस्कोडी द्वारा 2009** में किए गए एक अध्ययन से पता चला कि पुस्तकालय उपयोगकर्ता डिजिटल संसाधनों का उपयोग करने में सहायता की उम्मीद करते हैं। इसलिए, पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए उन सेवाओं को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है जो उपयोगकर्ताओं को इन संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में मदद करते हैं।

ओटिके (2009) ने लंदन, यूनाइटेड किंगडम में वकीलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक अध्ययन किया। अध्ययन का उद्देश्य जानकारी प्राप्त करने के मामले में कानूनी पेशेवरों की प्राथमिकताओं को निर्धारित करना था। कानूनी पेशेवरों के लिए उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए सूचना के स्रोत के रूप में मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक दोनों मीडिया की जांच की गई। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में **मकरी(2009)** द्वारा किए गए एक अन्य अध्ययन में पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों के सुधार के संबंध में उत्तरदाताओं की राय पर विचार किया गया। अध्ययन में यह भी पता लगाया गया कि इलेक्ट्रॉनिक संसाधन उपयोगकर्ताओं को उनकी आवश्यक जानकारी तक पहुँचने में कैसे सहायता कर सकते हैं। **2013 में, उलुओचन्याओगु** ने लागोस राज्य में नाइजीरियाई इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज लाइब्रेरी में उद्धृत एक अध्ययन किया। इस अध्ययन के निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि सभी उत्तरदाताओं ने पुस्तकालय में डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। हालाँकि, यह अनुशंसा की गई थी कि वर्तमान कानून से संबंधित स्रोतों को नियमित रूप से अद्यतन किया जाए। बेंगलुरु शहर में, नवीद अहमद और सादिकबाइचा ने एक अध्ययन किया जिसमें पुस्तकालयों से नागरिक और आपराधिक कानून जैसी विभिन्न कानूनी श्रेणियों की समय पर पहुंच की जांच की गई। अध्ययन में एसडीआई (सूचना का चयनात्मक प्रसार) और ऑनलाइन संसाधनों के प्रति उत्तरदाताओं की सकारात्मक राय पर भी प्रकाश डाला गया।

2014 में चंद्रा, के और अन्य द्वारा किए गए एक अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने चेन्नई में कला और विज्ञान कॉलेजों में संकाय सदस्यों के बीच ई-संसाधनों के उपयोग पैटर्न की जांच की। अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि अधिकांश उत्तरदाता अपने कॉलेज के पुस्तकालय में उपलब्ध ई-संसाधनों के बारे में जानते थे और उन्होंने अपने अध्ययन और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए उनका उपयोग किया था। इसके अतिरिक्त, अध्ययन से पता चला कि अधिकांश उत्तरदाताओं का मानना है कि ई-संसाधन उपयोगी हैं। इसी प्रकार, **कृष्णा दास, एन. और जयारमन, एस. (2014)** ने कोयंबटूर में भारथिअर विश्वविद्यालय से संबद्ध प्रबंधन

संस्थानों में संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों द्वारा ई-संसाधनों के उपयोग की जांच की। अध्ययन में पाया गया कि लगभग 46% संकाय सदस्य और अनुसंधान विद्वान ई-संसाधनों के उपयोग से परिचित थे, उनमें से 42% सक्रिय रूप से अपने शोध कार्य के लिए ई-संसाधनों का उपयोग कर रहे थे।

ई-संसाधन

इलेक्ट्रॉनिक संसाधन ऐसी प्रणालियाँ हैं जो सूचनाओं को इलेक्ट्रॉनिक रूप से संग्रहीत करती हैं और कंप्यूटर नेटवर्क के माध्यम से पहुंच की अनुमति देती हैं। इनमें इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है जो पूर्ण-पाठ डेटाबेस, इलेक्ट्रॉनिक जर्नल, छवि संग्रह और मल्टीमीडिया सामग्री सहित डेटा संग्रह प्रदान करते हैं। ये संसाधन आम तौर पर सीडी-रोम, टेप और इंटरनेट जैसे विभिन्न माध्यमों से वितरित किए जाते हैं। इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का प्राथमिक लाभ यह है कि वे उपयोगकर्ताओं को उनकी भौगोलिक स्थिति या वित्तीय सीमाओं की परवाह किए बिना सूचना पहुंच प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों को लगातार अद्यतन किया जाता है, जिससे नवीनतम जानकारी तक पहुंच सुनिश्चित होती है। खोज प्रौद्योगिकियों के माध्यम से, ये संसाधन अतिरिक्त संबंधित सामग्रियों के लिए व्यापक लिंक भी प्रदान करते हैं। नतीजतन, इलेक्ट्रॉनिक संसाधन शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और उच्च शिक्षा और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए पुस्तकालयों और विश्वविद्यालयों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं। इनमें विभिन्न प्रकार के प्रारूप शामिल हैं, जैसे पूर्ण-पाठ डेटाबेस, ई-जर्नल, छवि संग्रह, और सीडी, टेप, इंटरनेट और वेब प्रौद्योगिकियों के माध्यम से उपलब्ध मल्टीमीडिया सामग्री। ई-संसाधनों के उदाहरणों में ई-जर्नल्स, ई-चर्चाएँ, ई-समाचार, डेटा संग्रह, ई-मेल और ऑनलाइन चैटिंग शामिल हैं।

अनुसंधान के उद्देश्य:-

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के बारे में जागरूकता और उपयोग की जांच करना है।और कानूनी पेशेवरों द्वारा उपयोग के लिए अपनाई गई खोज रणनीतियों की चुनौतियाँ इलेक्ट्रॉनिक संसाधन. अध्ययन के अन्य उद्देश्य हैं:

1. कानूनी पेशेवरों के व्यवहार के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
2. डिजिटल संसाधनों और सेवाओं के संबंध में कानूनी पेशेवरों के बीच संतुष्टि का स्तर जानना।
3. कानूनी पेशेवरों द्वारा सर्वाधिक पसंदीदा ऑनलाइन कानूनी डेटाबेस की पहचान करना।

अध्ययन का दायरा और सीमाएँ:-

वर्तमान अध्ययन जबलपुर में लॉ लाइब्रेरी (जबलपुर उच्च न्यायालय के कानूनी पेशेवरों सहित) के कानूनी पेशेवरों तक सीमित है। अध्ययन डिजिटल संसाधनों और सेवाओं, जागरूकता और उपलब्धता और कानूनी फर्म पुस्तकालयों और कानून पुस्तकालयों में कानूनी पेशेवरों द्वारा ई-संसाधनों के उपयोग पर प्रकाश डालता है। ई-संसाधनों तक पहुंचने में आने वाली समस्याएं, उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि का स्तर, सुविधाओं में सुधार के लिए उपयुक्त सिफारिशें दे सकता है

डेटा विश्लेषण और व्याख्यापरिणाम:-

जबलपुर में कानून पुस्तकालय में कानूनी पेशेवरों को दिए गए प्रश्नावली से एकत्र किए गए डेटा का विश्लेषण और व्याख्या निम्नलिखित तालिका में की गई है।

तालिका-1: पुस्तकालय दौरे की आवृत्ति

आवृत्ति	संख्या	प्रतिशत
प्रतिदिन	35	70
दो दिन में एक बार	11	22
सप्ताह में एक बार	4	8

तालिका 1 से पता चलता है कि कानूनी पेशेवरों की पुस्तकालयों में जाने की आवृत्ति इस अध्ययन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जब पूछा गया कि वे कितनी बार ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं, तो उत्तरदाताओं ने अलग-अलग उत्तर दिए।

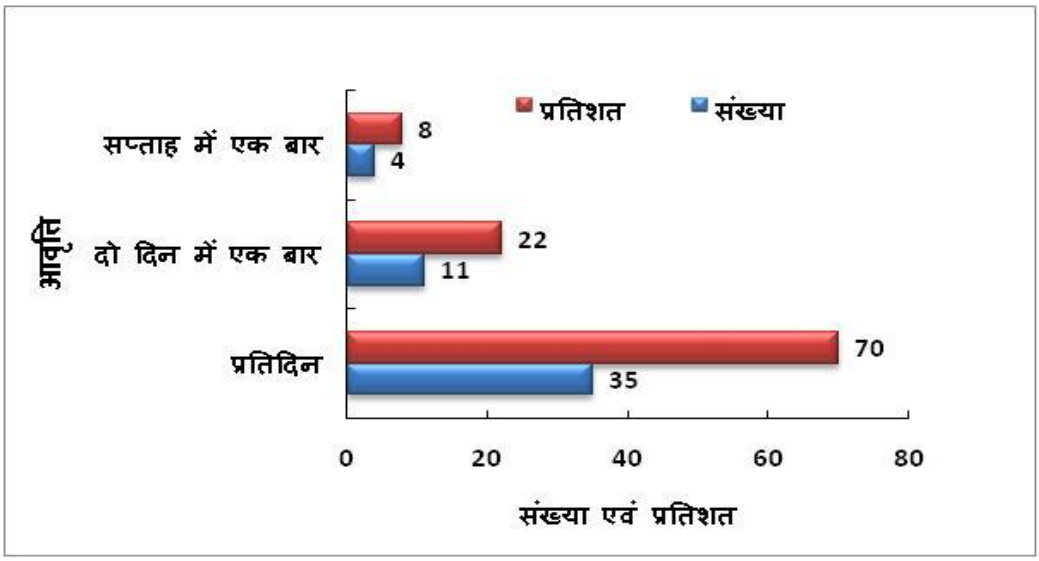

अधिकांश उत्तरदाता (70%) दैनिक आधार पर पुस्तकालय जाते हैं, जो उनकी सूचना आवश्यकताओं के लिए पुस्तकालय स्रोतों पर मजबूत निर्भरता का संकेत देता है। इसके अतिरिक्त, 22% उत्तरदाता हर दो दिन में पुस्तकालय जाते हैं, जबकि केवल 8% सप्ताह में एक बार जाते हैं।

तालिका-2: इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग का उद्देश्य

उपयोगकर्ताओं द्वारा ई-संसाधनों का उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया गया था, जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दिखाया गया है

उद्देश्य	संख्या	प्रतिशत
केस अध्ययन/संदर्भ के लिए	39	78
कैरियर विकास के लिए	34	68
सामान्य ज्ञान का उन्नयन	24	48
संचार के लिए	12	24

तालिका-2 डिजिटल संसाधनों के संबंध में कानूनी पेशेवरों के बीच जागरूकता के स्तर और उनके उपयोग के कारणों को प्रदर्शित करती है। अधिकांश उत्तरदाताओं (78%) ने केस अध्ययन और संदर्भ के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग करने की सूचना दी, जबकि 68% ने उनका उपयोग कैरियर विकास के लिए किया। इसके अतिरिक्त, 48% उत्तरदाताओं ने अपने ज्ञान को बढ़ाने और कानूनी विषयों पर अपडेट रहने के लिए ई-संसाधनों का उपयोग किया, और 24% ने संचार उद्देश्यों के लिए उनका उपयोग किया।

तालिका-3: उपयोग किए जाने वाले डिजिटल संसाधनों का प्रकार

तालिका विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों को प्रदर्शित करती है जिनका उपयोग पेशेवर अपनी आवश्यकताओं के लिए जानकारी इकट्ठा करने के लिए करते हैं।

डिजिटल संसाधनों का प्रकार	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
ई-डेटाबेस	72	36
ई-पत्रिकाएँ	25	50
ई-पुस्तकें	13	26

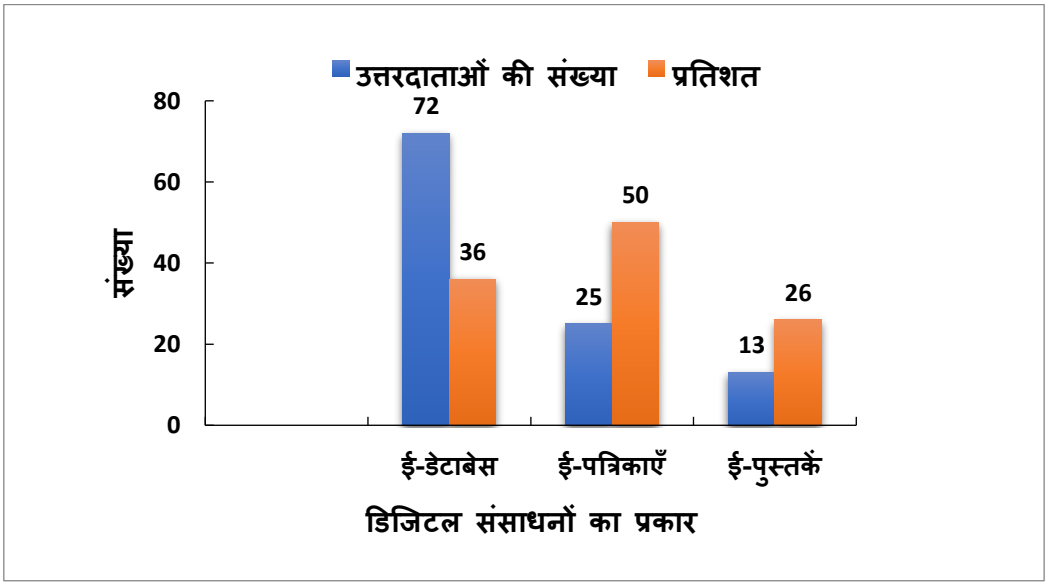

अध्ययन के अनुसार, अधिकांश उत्तरदाता (72%) कानून से संबंधित जानकारी के लिए डिजिटल संसाधनों का उपयोग करने में रुचि रखते हैं। इसके अतिरिक्त, 50% उत्तरदाता इलेक्ट्रॉनिक ऑनलाइन पत्रिकाओं का उपयोग करते हैं, और 26% प्रासंगिक जानकारी के लिए ई-पुस्तकों का उपयोग करते हैं। ये निष्कर्ष एक तालिका में प्रदर्शित किए गए हैं।

तालिका 4: डिजिटल संसाधनों से उत्तरदाताओं का संतुष्टि स्तर

विवरण	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
अत्यधिक संतुष्ट	23	46
संतुष्ट	19	38
सामान्यतः संतुष्ट	4	8
पता नहीं	4	8

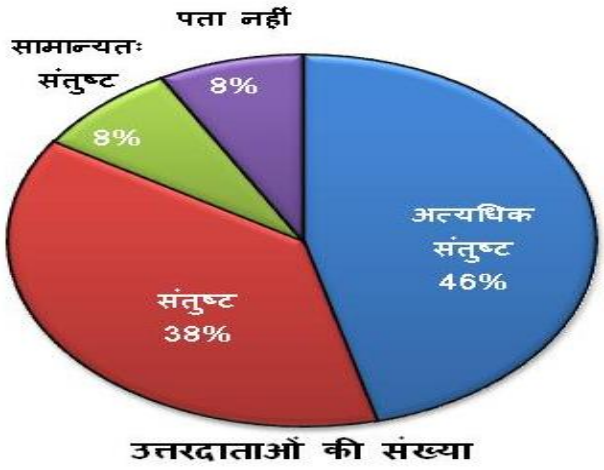

तालिका 4 कानूनी पेशेवरों के बीच उनकी संबंधित कानून फर्मों द्वारा पेश किए गए डिजिटल संसाधनों के संबंध में संतुष्टि की डिग्री के बारे में जानकारी प्रदान करती है। डेटा से पता चलता है कि इन पेशेवरों का एक महत्वपूर्ण अनुपात (46%) उनके लिए उपलब्ध वर्तमान ई-संसाधनों से अत्यधिक संतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त, एक बड़ी संख्या (38%) ने अपनी फर्मों द्वारा उपलब्ध कराए गए डिजिटल संसाधनों से संतुष्टि व्यक्त की। हालाँकि, उत्तरदाताओं के एक छोटे प्रतिशत (8%) ने अपने निपटान में संसाधनों के साथ मध्यम स्तर की संतुष्टि का संकेत दिया।

चर्चा:-

हमारे अध्ययन के निष्कर्षों से संकेत मिलता है, कि कानूनी पेशे में शामिल व्यक्ति जानकारी इकट्ठा करने और दस्तावेजों के अपने संग्रह को बनाए रखने के लिए अक्सर पुस्तकालयों का दौरा करते हैं, खासकर कानूनी क्षेत्र के भीतर। यह स्पष्ट है कि कानूनी पेशेवर पुस्तकालय स्रोतों पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। आज के डिजिटल युग में, पुस्तकालय स्वचालित प्रणालियों में परिवर्तित हो रहे हैं और ई-पुस्तकें, ई-जर्नल और ऑनलाइन डेटाबेस जैसे डिजिटल संसाधन पेश कर रहे हैं। फास्टकेस, सीए लॉ और हेनऑनलाइन जैसे विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से ये डिजिटल संसाधन तेजी से उपयोगकर्ता के अनुकूल और सुलभ होते जा रहे हैं। कई कानूनी पेशेवरों ने इन डिजिटल संसाधनों पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की है, क्योंकि वे समय बचाते हैं, लागत कम करते हैं, मुद्रण पत्रों की आवश्यकता को समाप्त करते हैं

और ऑनलाइन माध्यमों के माध्यम से तेज सेवा प्रदान करते हैं। हालाँकि, हमारे अध्ययन से यह भी पता चला है कि कुछ वरिष्ठ कानूनी पेशेवरों को डिजिटल संसाधनों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी नहीं हो सकती है, क्योंकि सभी छोटी कानून फर्मों के पास अच्छी तरह से सुसज्जित डिजिटल लाइब्रेरी सुविधाएं नहीं हैं। नतीजतन, ये पेशेवर अभी भी पारंपरिक पुस्तकों और दस्तावेजों पर भरोसा कर सकते हैं। यह उनके ज्ञान को बढ़ाने और ऑनलाइन डेटाबेस से जानकारी प्राप्त करने के लिए डिजिटल संसाधनों और खोज रणनीतियों के उपयोग के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता को इंगित करता है। इसलिए, पुस्तकालयों और पुस्तकालयाध्यक्षों को आईटी से संबंधित उपयोगकर्ता के मुद्दों को संबोधित करने, कानूनी विषय पत्रिकाओं को सदस्यता प्रदान करने, ऑनलाइन भागीदारी स्थापित करने और डिजिटल संसाधनों और ऑनलाइन डेटाबेस के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करने, अंततः जागरूकता को बढ़ावा देने और प्रासंगिक प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करने के लिए पहल करनी चाहिए।

निष्कर्ष और सिफ़ारिशें:-

1. अध्ययन से पता चलता है कि पुस्तकालय में संसाधन उपयोग में सुधार करने के लिए, पुस्तकालय के संसाधनों के बारे में जानकारी साझा करने की सबसे उपयुक्त विधि का चयन करने पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है।
2. पुस्तकालय को इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के प्रभावी ढंग से उपयोग पर नियमित अंतराल पर कानूनी पेशेवर/सहयोगियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना चाहिए।
3. डिजिटल पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ़्टवेयर की आवश्यकता डिजिटल दस्तावेज़ों को प्रभावी ढंग से संभालने की आवश्यकता से उत्पन्न होती है। यह सॉफ्टवेयर न केवल उपयोगकर्ताओं को परिसर के बाहर कहीं से भी इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंचने में सक्षम बनाता है, बल्कि विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंचने से जुड़ी पासवर्ड संबंधी जटिलताओं को हल करने में भी सहायता करता है।
4. उपयोगकर्ता समुदाय के लाभ के लिए अधिक ई-संसाधनों की सदस्यता के लिए अधिक धन आवंटित किया जाना चाहिए।
5. ई-संसाधनों की कोई भी खरीदारी करने से पहले उपयोगकर्ताओं से सुझाव मांगना उचित है। ऐसा करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि केवल प्रासंगिक ई-संसाधनों को ही क्यूरेट किया जाए, जिससे अंततः उपयोगकर्ता संतुष्टि का उच्च स्तर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि नवीनतम कॉन्फ़िगरेशन से लैस कंप्यूटर पुस्तकालयों और विभागों में आसानी से उपलब्ध हों, क्योंकि इससे कानूनी पेशेवरों को ई-संसाधनों तक जल्दी और कुशलता से पहुंचने में मदद मिलेगी।

संदर्भ-ग्रन्थ सूची:-

1. assessment. Information Processing &Amp; Management, 44(3), 1346–1373.

2. पात्रा, एस.के., और चंद, पी. (2006), भारत में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान अनुसंधान: एक ग्रंथ सूची अध्ययन.

3. Gaur, R. C. (2003). Rethinking the Indian digital divide: the present state of digitization in Indian management libraries. The International Information & Library Review, 35(2-4), 189-203.

4. Joshi, G. (2006). Digital Library Initiative in North East India with Special Reference to Tocklai Experimental Station: A Case Study.

5. अन्यागु, यू. 2014. स्नातकोत्तर कानून के छात्र की जानकारी की जरूरतें और व्यवहार की तलाश: नाइजीरियाई इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड लीगल में संसाधनों और सेवाओं के बेहतर प्रावधान के लिए निहितार्थ लागोस राज्य में पुस्तकालय का अध्ययन करता है। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास.

6. बैचा एम, सादिक। 2018. बेंगलुरु शहर में कानूनी पुस्तकालयों द्वारा सूचना प्रसार और कानूनी पेशेवरों के बीच इसकी संतुष्टि का स्तर: एक उपयोगकर्ता अध्ययन।

7. चंद्रा, के., एट ऑल., 2014. चेन्नई में कला और विज्ञान महाविद्यालयों में संकाय सदस्यों के बीच ई-संसाधनों के उपयोग पैटर्न पर एक अध्ययन। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 3(1), 1-5।

8. जोसेफ जेस्टिन के जे और डॉ. एस. एली सोर्नम 2016 केरल में इंजीनियरिंग कॉलेजों के संकाय सदस्यों द्वारा ई-संसाधनों का उपयोग: एक सर्वेक्षण। डिजिटल लाइब्रेरी सेवाओं का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। खंड 6